05/01/26

पत्रा० पेश हुई। वादी वकील उप०। प्रतिवादीगण की
तलबी को मौका चाहा गया। पूर्व में अनेक
अवसर दिये जा चुके हैं। अन्य अवसर दिया जाना
उचित नहीं है। अतः पत्रा० अदम पैरवी में इसी
स्तर पर खारिज की जाती है। पत्रा० फैसल
शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।